आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)

मंगलवार 06.05.2025 समय 1305

मुख्य समाचार :–

- प्रदेश सरकार ने चारधाम यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए व्यापक प्रबंध किए।
- रुद्रप्रयाग ज़िले में केदारनाथ और बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग को जोड़ने वाली टनल को अस्थायी रूप से खोला गया।
- प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में आज बारिश, तेज आंधी और ओलावृष्टि की चेतावनी।
- राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में काफल बन रहा लोगों की आजीविका का साधन। विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है काफल।

यात्रा प्रबंधन

प्रदेश सरकार ने चारधाम यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। यात्रा मार्गों, मुख्य पड़ावों और चारों धामों की स्थायी एवं अस्थायी चिकित्सा इकाइयों में कुल 567 चिकित्सकों और 800 से अधिक पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती की गई है। इनमें विशेषज्ञ डॉक्टर भी शामिल हैं।

उत्तरकाशी, चमोली और रुद्रप्रयाग जिलों में स्थित 49 स्थायी और 20 अस्थायी चिकित्सा इकाइयों पर रोटेशन के आधार पर चिकित्सकों की तैनाती की गई है। स्थायी इकाइयों में 31 विशेषज्ञ, 200 चिकित्सा अधिकारी और 381 पैरामेडिकल कर्मी सेवाएं देंगे, जबकि अस्थायी इकाइयों में 15 दिन के रोस्टर पर 336 चिकित्सक और 420 पैरामेडिकल स्टाफ तैनात रहेंगे।

इसके अतिरिक्त, केंद्र सरकार द्वारा भेजे गए 13 विशेषज्ञ डॉक्टर एम्स दिल्ली, कल्याणी, गोरखपुर और पांडिचेरी के संस्थानों से आए हैं, जिन्हें उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग और चमोली में नियुक्त किया गया है। साथ ही राज्य सरकार 47 और विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती कर रही है।

तीर्थ यात्रियों की स्क्रीनिंग के लिए लगाए गए कियोस्क की संख्या 50 से बढ़ाकर 57 कर दी गई है। इसके अलावा एम्स ऋषिकेश द्वारा एयर एंबुलेंस सेवा भी प्रदान की जा रही है। यात्रा मार्गों पर डिजिटल एकीकरण के लिए 50 टैबलेट्स लगाए गए हैं और स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रचार–प्रसार के लिए होटल, लॉज व खच्चर संचालकों को भी जागरूक किया गया है।

वैकल्पिक मार्ग

चारधाम यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को अब जाम की परेशानी से बड़ी राहत मिलने जा रही है। रुद्रप्रयाग ज़िले में केदारनाथ और बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग को जोड़ने वाली एक अहम टनल को अस्थायी रूप से खोल दिया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर खोली गई यह टनल यात्रियों के लिए वैकल्पिक रास्ता बनेगी, जिससे यात्रा के दौरान ट्रैफिक का दबाव कम होगा।

इस टनल के ज़रिए केदारनाथ हाईवे से आने–जाने वाले यात्री अब बेलनी पोखरी मार्ग होते हुए सीधे बद्रीनाथ हाईवे तक पहुंच सकेंगे। इससे न सिर्फ यात्रा सुगम होगी बल्कि रुद्रप्रयाग बाज़ार और आस–पास के इलाकों तक पहुंच भी आसान होगी। इसका फायदा स्थानीय लोगों और व्यापारियों को भी मिलेगा।

प्रशासन ने इस मार्ग पर सुरक्षा और निगरानी के पूरे इंतज़ाम किए हैं। लोक निर्माण विभाग, पुलिस और स्थानीय प्रशासन मिलकर मार्ग पर निगरानी रख रहे हैं, ताकि किसी तरह की असुविधा न हो।

घोड़े खच्चर संचालन रोक

प्रदेश में केदारनाथ धाम यात्रा में शामिल हो रहे घोड़े–खच्चरों में एक्वाइन इन्फ्लूएंजा वायरस की आशंका के चलते पशुपालन विभाग ने अगले 24 घंटे तक इनके संचालन पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। हाल ही में 14 घोड़े–खच्चरों की मृत्यु के बाद जिला प्रशासन सतर्क हो गया है।

पशुपालन विभाग के सचिव डॉ बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने कल देर शाम रुद्रप्रयाग पहुंचकर जिला अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने बताया कि घोड़े–खच्चरों की मौत के कारणों की जांच के लिए भारत सरकार से विशेषज्ञों का दल रुद्रप्रयाग भेजा जा रहा है। यह दल पशुओं की स्थिति की गहन जांच करेगा।

पिछले एक महीने में पशुपालन विभाग ने मुख्यमंत्री के निर्देश पर सोलह हजार से अधिक घोड़े–खच्चरों की स्क्रीनिंग की थी और केवल स्वस्थ पाए गए पशुओं को ही यात्रा में शामिल होने दिया गया था।

जिले के मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ आशीष रावत ने बताया कि रोक की अवधि में अस्वस्थ पशुओं को क्वारंटाइन किया जाएगा और उनके सैंपल हिसार स्थित राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान संस्थान भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने तक घोड़े–खच्चरों का संचालन नहीं होगा।

<u>मौसम</u>

प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में आज बारिश, तेज आंधी और ओलावृष्टि की संभावना के चलते ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़ और बागेश्वर जिलों में भी बर्फबारी, भारी बारिश और आंधी को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि राज्य में बारिश और आंधी का यह सिलसिला आने वाले कुछ दिनों तक जारी रह सकता है।

काफल

प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों में पाया जाने वाला जंगली फल, काफल इन दिनों लोगों की आजीविका का साधन बन रहा है। ग्रामीण, जंगलो से काफल तोड़कर इसे बाजारों और सड़क किनारे बेचकर अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं। चम्पावत जिला मुख्यालय सहित विभिन्न स्टेशनों और मार्गों सहित जगह–जगह सड़क किनारे ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं, पुरुष और बच्चे काफल को 150 से 200 रुपये किलो में बेच रहे हैं।

काफल बेच रहे नारायण दत्त जोशी ने बताया कि लगभग ढाई से तीन महीने काफल का सीजन चलता है। उन्हें एक हजार से दो हजार रुपये प्रतिदिन कमाई हो जाती है।

वहीं, सोबन सिंह जीना परिसर चम्पावत में वनस्पति विज्ञान की असिस्टेंट प्रोफेसर कविता खत्री ने बताया कि काफल में औषधीय गुणों के साथ मिनरल्स और विटामिन्स की प्रचुर मात्रा होती है, जो शरीर के लिये लाभदायक है।

रेल

नैनीताल जिले के लालकुआँ और वाराणसी के बीच आगामी सात मई से सप्ताह में तीन दिन विशेष रेलगाड़ी का संचालन किया जाएगा। यह ट्रेन कुल तेईस फेरों के लिए लालकुआँ और वाराणसी के बीच चलाई जाएगी। इसका संचालन जून माह तक जारी रहेगा।

वाराणसी सिटी–लालकुआँ–वाराणसी सिटी ट्रेन वाराणसी से प्रत्येक सोमवार, बुधवार और शनिवार को अपराह्न तीन बजकर चालीस मिनट पर प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह साढ़े सात बजे लालकुआँ पहुंचेगी। यह ट्रेन लालकुआँ से प्रत्येक मंगलवार, बृहस्पतिवार और रविवार को पूर्वाह्न दस बजकर पैंतीस मिनट पर चलकर अगले दिन पूर्वाह्न तीन बजकर दस मिनट पर वाराणसी सिटी रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। इस रेलगाड़ी में साधारण द्वितीय श्रेणी, शयनयान श्रेणी और वातानुकूलित शयनयान सहित कुल 18 कोच लगाए जाएंगे।

पत्र

कुमाऊँ मण्डल के अंतर्गत सभी राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में तैनात शिक्षकों से अब मिनिस्ट्रीयल संवर्ग का कार्य नहीं कराया जाएगा। शिक्षकों द्वारा मिनिस्ट्रीयल संवर्ग का कार्य करने के कारण प्रभावित हो रहे शिक्षण कार्य को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. मुकुल कुमार सती की ओर से कुमाऊँ मण्डल के अपर निदेशक माध्यमिक शिक्षा को इस आशय का पत्र जारी किया गया है।

पत्र के जरिए प्रदेश के प्रारम्भिक शिक्षा निदेशक से ऐसे राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में जहाँ मिनिस्ट्रीयल संवर्ग का कोई भी कार्मिक कार्यरत नहीं है, वहां प्राथमिकता के आधार पर कार्मिकों की पूर्ति करने के लिए आवश्यक कार्यवाही किए जाने का भी अनुरोध किया गया है।